Monthly Newsletter of Maharishi Organisation, India

महर्षि संवत्सर 109 • विक्रम संवत्सर 2083 • आषाढ कृष्ण पक्ष 1 • मंगलवार 30, जून 2026

Volume - 205 | JUNE 2026

e-Gyan

• E-mail - cpr@mssmail.org • Website - www.e-gyaan.net

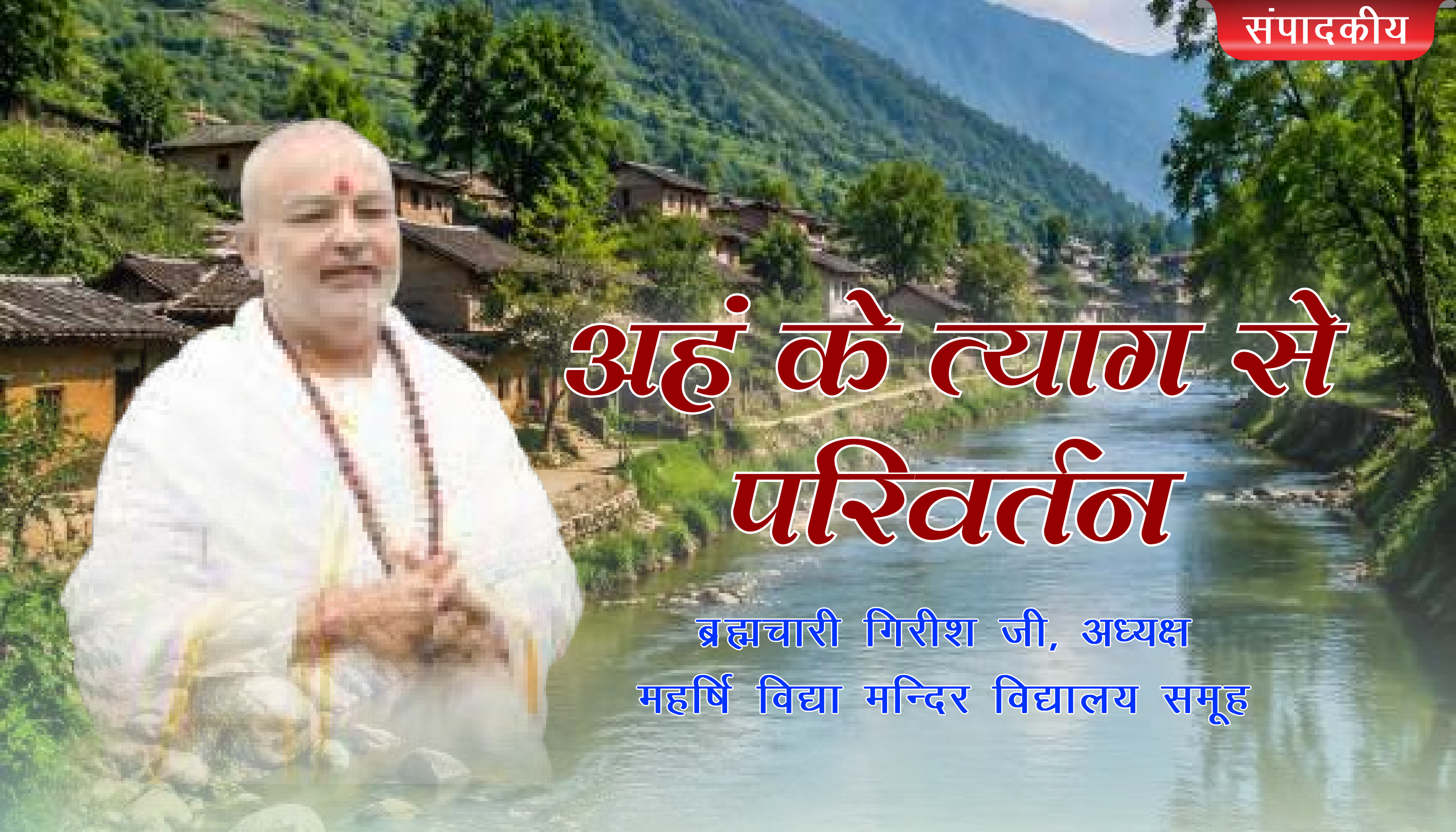

अहं के त्याग से परिवर्तन

ब्रह्मचारी गिरीश जी, अध्यक्ष
महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

एक नदी पहाड़ों से बहते हुए जंगलों, गाँवों और शहरों को पार करती हुई एक विशाल रेगिस्तान के किनारे तक पहुँची। उसने अब तक हर बाधा को पार किया था, इसलिए उसे लगा कि वह रेगिस्तान को भी पार कर लेगी। जैसे ही उसने रेत पर कदम रखा, उसे अनुभव हुआ कि उसका पानी गायब होता जा रहा है। रेत उसका पानी सोख रही थी। नदी इस बात से विचलित हो गई। उसे लगा कि उसका अस्तित्व अब समाप्त होने वाला है। तभी रेगिस्तान ने उससे कहा, आगे बढ़ो नदी, हवा रेगिस्तान पार कर सकती है तो तुम भी। नदी ने चिल्लाकर कहा, किंतु मैं जब भी आगे बढ़ती हूँ, रेत मुझे निगल जाती है। हवा तो उड़ सकती है, मैं तो भूमि पर बहती हूँ। रेगिस्तान ने कहा, तुम अपनी पुरानी जिद और पुराने स्वरूप को पकड़े हुए हो। इस प्रकार तुम कभी पार नहीं कर पाओगी। नदी ने पूछा, क्या भाप बनने के बाद मैं वही मैं रहूँगी? क्या मेरा स्वरूप खो नहीं जाएगा? रेगिस्तान ने कहा, तुम्हारा स्वरूप बदल जाएगा, पर तुम्हारी असलियत समाप्त नहीं होगी। तुम आज भी पानी हो और भाप बनने के बाद भी पानी ही रहोगी। अगर तुम नदी होने के अहं को नहीं छोड़ोगी, तो तुम यहीं सूखकर कीचड़ बन जाओगी और हमेशा के लिए खत्म हो जाओगी। नदी ने बहुत सोच–विचार किया। अंततः उसने अपना भय छोड़ दिया। वह भाप बनकर ऊपर उठ गई। हवा उसे धीरे से उठाकर

कोसों दूर पहाड़ों के पार ले गई। वहाँ, वह फिर से बरसी और पहले से भी अधिक विशाल नदी के रूप में बहने लगी। परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी कहते थे कि आप जो कुछ भी करना चाहते हैं, उसकी सफलता का बीज आपकी चेतना में है। मेरा शरीर भले ही टूट जाए, परंतु चेतना रूपी मेरा संकल्प झुक नहीं सकता! वह चेतना की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करता है। जागृत चेतना ही आपको दिव्य बनाती है। जब आप उस चेतना का प्रयोग करना बंद कर देते हैं, तो आप नश्वर मानव बन जाते हैं। बहुत–से लोग कहते हैं कि हमें अपनी चेतना का प्रयोग परिस्थितियों के परिवर्तन के लिए नहीं करना चाहिए। चेतना के बिना आप मात्र एक यंत्रवत व्यक्ति बन जाएँगे। मनुष्य को वासनाओं के अधीन रहने वाली अपनी चेतना को झुकाकर ईश्वरीय चेतना के साथ जोड़ना सीखना चाहिए। जब दृढ़ता से उचित प्रार्थना की जाती है, तो वह चेतना है। आप जिस परिणाम के लिए ध्यान कर रहे हों, उसकी संभावना में आपको पूर्ण विश्वास होना चाहिए। आपको उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए रचनात्मक कार्यों द्वारा चेतना को निरंतर प्रयुक्त करते जाना होगा। जब आप असफलताओं से हार माने बिना निरंतर प्रयास करते रहेंगे, तो आपकी मनोकामना पूर्ण हो जाएगी। जब आप निरंतर अपने विचारों और कार्यकलापों में उस चेतना का प्रयोग करते रहते हैं, तो जिसकी आप कामना कर रहे हों, उसे साकार होना ही पड़ेगा। यदि आपकी इच्छा के पूर्ण होने का कोई तरीका दुनिया में न हो, तब भी अगर आपकी चेतना निरंतर जागृत बनी रहती है, तो इच्छित परिणाम किसी–न–किसी तरह प्रकट हो ही जाएगा। इस प्रकार की चेतना में ही ईश्वर का उत्तर होता है, क्योंकि चेतना ईश्वर से ही आती है। अखंड चेतना दैवीय चेतना है। अपनी चेतना को विकसित करने की उत्सुकता में तुरंत बड़े कार्यों को न लें। सफल होने के लिए पहले अपनी चेतना को किसी ऐसे छोटे कार्य में उपयोग कीजिए, जिसके बारे में आप सोच रहे हों कि आप उसे नहीं कर सकते। यदि आप उस पर कठिन परिश्रम करते हैं, तो आप सफल हो सकते हैं। क्या आपको वे सभी लक्ष्य याद हैं, लक्ष्य जिनके बारे में आपके मित्र और अन्य कई लोग आपको बताते हैं कि तुम उनमें कभी सफल नहीं हो सकते। आप प्रयास कीजिये। अपनी सम्पूर्ण शक्तियों को एकत्रित कीजिए तन–मन का सौ प्रतिशत, आप सकारात्मकता के साथ पुनः प्रयास कीजिये निश्चित रूप से आप अपने सामर्थ्य में एक नवीन ऊर्जा का अनुभव करेंगे। अपनी चेतना को जागृत करने के लिये परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रतिपादित भावातीत ध्यान का नियमित रूप से प्रातः एवं संध्या 15 से 20 मिनट का अभ्यास निश्चय ही हमारे मन–मस्तिष्क में सकारात्मकता को उत्पन्न करता है और हमारी चेतना को जागृत कर हमारे सामर्थ्य को बढ़ाता है। हमें हमारे आत्मविश्वास एवं आनंद से परिचय कराता है क्योंकि जीवन आनंद है।

ब्रह्मचारी गिरीश जी से ज्योतिषाचार्य श्री विनोद गौतम जी की सौजन्य भेंट

भोपाल के प्रमुख ज्योतिषाचार्य श्री विनोद गौतम जी ने ब्रह्मचारी गिरीश जी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने 11 एवं 12 जुलाई को आयोजित होने वाले पूज्य आचार्य अयोध्या प्रसाद गौतम महर्षि अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में सादर आमंत्रित किया तथा ब्रह्मचारी गिरीश जी से सम्मेलन के संरक्षक की भूमिका स्वीकार करने का अनुरोध किया।

भेंट के दौरान दोनों महानुभावों के मध्य भारतीय ज्योतिष विद्या के संरक्षण, संवर्धन एवं जनकल्याण की दिशा में इसके व्यापक उपयोग पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने ज्योतिष के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पक्षों को समाज हित में आगे बढ़ाने, इसके ज्ञान का प्रचार–प्रसार करने तथा अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुँचाने के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार–विमर्श किया।

इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने भारतीय ज्ञान परंपराओं के संरक्षण एवं उनके माध्यम से समाज के समग्र विकास के महत्व को रेखांकित किया। बैठक सकारात्मक विचारों और भविष्य की योजनाओं के साथ सम्पन्न हुई।

Upliftment of all is possible only through regular practice of TM:

- Brahmachari Girish Ji

Refresher Courses for Transcendental Meditation Teachers

Refresher courses of 15 days duration for Transcendental Meditation and Siddhi Teachers were organised at the MVM Schools Group National Office, Bhopal.

Looking to the large number of TM teachers in the country, it was organised in two batches - first from 2 to 16 June and second one from 19 June to 3 July 2026.

Inaugurating the event by performing Shri Guru Parampara Pujan, Hon'ble Chairman of the Maharishi Vidya Mandir Schools Group Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji, said "during Maharishi Ji's time, the Transcendental Meditation and Siddhi Teacher Training course was a special opportunity for those who were interested in uplifting themselves and other fellow beings through spiritual practices. Regular practice of TM, brings about impactful changes in the TM teachers. If there is no impact, the respect of Transcendental Meditation teacher by people cannot be achieved. Therefore, to uphold the dignity and importance of a Transcendental Meditation teacher, one must integrate practice of TM regularly into daily life."

Brahmachari Girish Ji noted that Maharishi Ji initiated the TM Teacher Training Course in 1957 and today, the number of people who are practicing TM has reached millions. He explained in details that the global presence of the Maharishi Organisation today is possible entirely due to the Transcendental Meditation teachers.

Discussing various aspects of Maharishi Ji's life, he highlighted the relevance and utility of Transcendental Meditation and Siddhi programme including Yogic Flying. He explained that consciousness functions in the form of a wave and is dynamic, not static. Through the practice and purification of consciousness, pure consciousness is attained; this is the sequence of our practice, in

which consistency is essential. He added that if the power of knowledge is awakened, the power of action will be awakened automatically.

On this occasion, Brahmachari Girish Ji urged the participants that it is not enough to teach Transcendental Meditation only to the students and teachers of MVM schools. He urged them to promote and propagate it in their neighbourhood, wards and cities, ensuring that all members of society learn Transcendental Meditation and TM-Siddhi programmes and practice them regularly, so that the benefits of Maharishi's knowledge can reach the common people.

These 15 days courses are being organised by the Maharishi Vidya Mandir Schools Group and Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeetham, in which 173 TM and Siddhi teachers from various Maharishi Vidya Mandir schools and other Maharishi Organisations from all over the country, are participating.

The event was attended by Professor Bhuvnesh Sharma, former Vice-Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Shri V. R. Khare, Director of Communications and Public Relations, Shri Ramdev Dwivedi, Joint Director, Maharishi Vidya Mandir Schools Group and Shri Ram Vinod Gaur, National Coordinator, Transcendental Meditation and TM-Siddhi Programme.

समाज के उत्थान हेतु साधना का निरंतर होना आवश्यक - ब्रह्मचारी गिरीश

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

महर्षि महेश योगी संस्थान के सम्पूर्ण देश में स्थित महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों एवं अन्य कार्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया।

मुख्य समारोह भोपाल स्थित भव्य सभागार महर्षि मंगलम भवन में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह एवं महर्षि विश्व शांति आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

इसकी अध्यक्षता करते हुये महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि समाज के निरंतर विकास और उत्थान के लिए साधना का निरंतर अभ्यास आवश्यक है। साधना के बिना जीवन एवं समाज के वास्तविक विकास की कल्पना पूर्ण नहीं हो सकती।

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अष्टांग योग का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना। अष्टांग योग में योग के सभी आठ अंग समाहित हैं, लेकिन जब तक मन, बुद्धि और शरीर का उचित समन्वय नहीं होगा, तब तक योग की वास्तविक प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकती। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि हम एक तत्व को सही प्रकार से जोड़ लेते हैं तो अन्य सभी चीजें स्वतः जुड़ने लगती हैं और वह तत्व है, निरंतर साधना का क्रम।

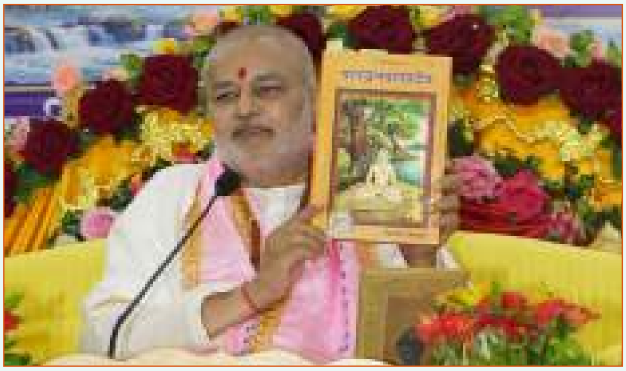

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति की साधना महान होती है, वही वास्तव में महात्मा कहलाता है। साधना के माध्यम से हम प्राण, आत्मा, चेतना और मन को नियंत्रित करते हैं। इन सभी के बीच समन्वय स्थापित करना ही योग का उद्देश्य है।

वैश्विक संत महर्षि महेश योगी जी के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि ब्रह्म विद्या साधना की वह विधा है जो ज्ञान को जागृत करती है। यही कारण है कि भावातीत ध्यान के माध्यम से मनुष्य जीवन में उच्चतम उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने कहा कि क्रिया शक्ति ही ज्ञान का स्वरूप है। मस्तिष्क की एक सीमा होती है, लेकिन चेतना अनंत और असीम है। हमारे द्वारा किए गए प्रत्येक कार्य का प्रभाव संपूर्ण ब्रह्मांड की चेतना पर पड़ता है। इसलिए यदि हमने अपनी आत्म चेतना को जागृत कर लिया तो जीवन में सफलता के सभी मार्ग स्वतः ही खुल जाते हैं। भावातीत ध्यान का निरंतर अभ्यास और साधना जीवन की सफलता की कुंजी है।

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन अष्टांग योग की साधना करनी चाहिए तथा समाज के प्रत्येक वर्ग और स्थान तक ब्रह्म विद्या का प्रचार–प्रसार निरंतर करना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि महर्षि महेश योगी जी ने वर्षों पूर्व योग और ध्यान की इस महान परंपरा की नींव रखी थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता मिली, जिसके लिए संपूर्ण राष्ट्र उनका आभार व्यक्त करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि संस्थान की परंपरा के अनुसार गुरु परंपरा पूजन एवं शांति पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं भावातीत ध्यान का सामूहिक अभ्यास किया। कार्यक्रम में भोपाल स्थित विभिन्न महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों एवं महर्षि किड्स होम के शिक्षक एवं विद्यार्थी भी शामिल हुए।

इस अवसर पर मंच पर महर्षि संस्थान के प्रो. भुवनेश शर्मा, विजय रत्न खरे, वेद प्रकाश तिवारी, श्रीमती आर्या नंद कुमार, मनीष मांडलिक, मनीष सिन्हा, राम देव द्विवेदी, अखिलेश श्रीवास्तव, एन.के. सिंघल एवं गिरिबल सिंह लोधी उपस्थित रहे।

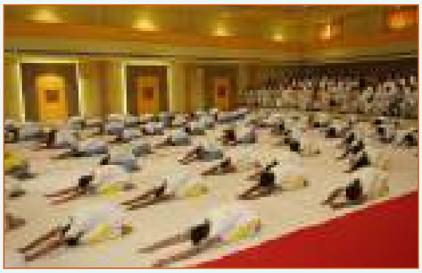

International Yog Day celebrated in various Maharishi Vidya Mandir Schools

The 12th International Yoga Day was celebrated with great enthusiasm across all Maharishi Vidya Mandir Schools. The programmes commenced with Shri Guru Parampara Pujan, creating an atmosphere of reverence and positivity.

Addressing the gathering, Schools' Principals expressed pride and happiness that, at India's initiative, 175 countries have extended their support to observe International Yog Day. They highlighted that Yog is an integral part of India's ancient tradition and cultural heritage. It is not merely a form of physical exercise but a discipline that promotes the health and vitality of the body, mind, and soul.

They emphasized the importance of setting aside time for self-care amid busy daily schedules. Yog, they said, inspires individuals to establish physical, mental, and spiritual balance. They further noted that transforming yoga into a mass movement is essential for both personal and national well-being, as it contributes to the welfare of individuals, families, society, and the nation as a whole. The world has been fortunate to receive the gift of Transcendental Meditation from the His Holiness Maharishi Mahesh Yogi. This simple, natural and effortless technique has provided humanity with a powerful tool for achieving global health and well-being. Through its regular practice, individuals can attain excellence in all spheres of life and enjoy a healthy, disease-free, and long life.

Yog experts and Transcendental Meditation teachers guided participants through various yogic practices, including Surya Namaskar, Tadasana, Vrikshasana, Shalabhasana, and Shashankasana, along Pranayama and group Transcendental Meditation.

These celebrations at various MVM Schools are depicted through the pictures given below:-

Maharishi Vidya Mandir - I, Aligarh

Maharishi Vidya Mandir, Yavatmal

Maharishi Vidya Mandir - I Almora

Maharishi Vidya Mandir - I Almora

Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan

Maharishi Vidya Mandir, Basti

Maharishi Vidya Mandir, Chhapara

Maharishi Vidya Mandir, Chhapara

Maharishi Vidya Mandir - III, Chhatarpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Gorakhpur

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad

Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad

Maharishi Vidya Mandir - II, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - IV, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - VI, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir - I Nadaun

Maharishi Vidya Mandir, Nadaun (Main)

Maharishi Vidya Mandir, Jhunsi Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir, Nainital

Maharishi Vidya Mandir, Nainital

Maharishi Vidya Mandir - Panna

Maharishi Vidya Mandir - Panna

Maharishi Vidya Mandir, Rayagada

Maharishi Vidya Mandir, Rudrapur

Maharishi Vidya Mandir, Shahdol

Maharishi Vidya Mandir, Shahdol

Maharishi Vidya Mandir - V Guwahati

MVM Sitapur

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Maharishi School of Excellence, Chennai

Maharishi School of Excellence, Chennai

Maharishi Vidya Mandir - I, Angul

Maharishi Vidya Mandir, Narsingpur

Maharishi Vidya Mandir - VI Guwahati

Maharishi Vidya Mandir - VI Guwahati

Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur

Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur

Maharishi Vidya Mandir - II, Naini, Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir - II, Naini, Prayagraj

Maharishi Vidya Mandir, Silchar

Maharishi Vidya Mandir, Silchar

Maharishi Vidya Mandir, Hamirpur

Maharishi Vidya Mandir - I, Guwahati

Maharishi kids Home, Jorhat

Maharishi kids Home, Jorhat

MMV Nalbari (Assiciate School)

MMV Nalbari (Assiciate School)

IN-SERVICE TEACHERS TRAINING PROGRAMME 2026 FOR CONTINUOUS PROFESSIONAL DEVELOPMENT

The Central Board of Secondary Education (CBSE) directed that all school will organise 25 hours (or three days) In-House Teachers Training Programmes for their continuous professional development.

Consequently, the three days In-House Teachers Training Programmes were organised for the teachers working in all 154 Maharishi Vidya Mandir (MVM) Schools and Maharishi Kids Home operating 14 States of the country. For convenience of the teachers in summer season, these courses were organised in each MVM. Where there are more one MVM school in city, teachers of all MVM Schools were trained at one place in that city.

His Holiness Maharishi Ji has gifted the world with Maharishi Consciousness Based Education principles which improves the teacher-taught relationship to great extent so that the teaching- learning process becomes interesting and friendly.

Therefore, the three days Teachers Training Programme centred around enhancing the professional competencies of teachers in alignment with the vision of the 'Maharishi Consciousness Based Education' and the principles of 'National Education Policy' (NEP 2020).

At all places, the programmes commenced with Shri Guru Pujan followed by practice of Transcendental Meditation (TM) for 20 minutes creating a peaceful, positive and inspiring environment for learning and self-development. The formal inauguration of the programme was marked by lamp lighting and a warm welcome of the distinguished guests.

Special sessions on 'Promoting Health & Wellness Among Students' were conducted by experts. They highlighted the importance of maintaining physical, mental and emotional well-being among students and emphasized the role of Yog and a balanced lifestyle in promoting holistic development.

The teachers also attended an insightful session on 'Importance of Value Education in the Scheme of Studies', 'Introduction and Importance of Artificial Intelligence', 'Introduction and Importance of Vocational Education' and Training Programmes in the light of NEP 2020.

All participants were addressed by Hon'ble Chairman, MVM Schools Group, Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji who motivated and guided the teachers on their vital role in nation-building. His inspiring message encouraged teachers to continues striving for excellence and uphold the ideals of Maharishi Consciousness Based Education.

All the programmes witnessed enthusiastic participation from all teachers and proved to be highly informative, inspiring and meaningful, contributing significantly towards their professional growth and holistic development.

These training programmes organised at various MVM Schools are depicted through the pictures given below:-

Maharishi Vidya Mandir, Silchar

Maharishi Vidya Mandir, Sagar

Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Maharishi Vidya Mandir, Balasore

Maharishi Vidya Mandir, Bareilly

Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara

Maharishi Vidya Mandir - V, Vijay Nagar, Jabalpur

Maharishi Vidya Mandir, Maihar

Maharishi Vidya Mandir, Rayagada

Maharishi Vidya Mandir, Shahdol

Maharishi Vidya Mandir, Uttarkashi

Maharishi Vidya Mandir - I, Gorakhpur

Maharishi Vidya Mandir, Gosalpur

Maharishi Vidya Mandir, Panna

Maharishi Vidya Mandir - I, Raipur

Maharishi Vidya Mandir, Shajapur

Maharishi Vidya Mandir, Sitapur

Maharishi Vidya Mandir, Tikamgarh

Maharishi Vidya Mandir, Basti

Maharishi Vidya Mandir, Kalindipuram

Maharishi Vidya Mandir, Rudrapur

Maharishi Vidya Mandir, Kurukshetra

Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad

Maharishi Vidya Mandir - I, Almora

Maharishi Vidya Mandir, Sultanpur

Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur

Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान के तत्वाधान में विभिन्न स्थानों पर आध्यात्मिक आयोजन

महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान के अंतर्गत विश्व शांति की स्थापना और विश्व परिवार के सर्व कल्याण हेतु सामूहिक अध्यात्मिक आयोजन देश के विभिन्न स्थानों मे भव्य रूप से आयोजित किये गये। इनके अंतर्गत विभिन्न महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में सुंदरकांड, श्री हनुमान चालीसा के पाठ एंव भजन कार्यक्रम हुये जिनमें महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ–साथ स्थानीय भक्त गणों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

MVM Fatehpur

MVM Chhindwara

MVM - VI, Shastri Nagar, Jabalpur

MVM Sultanpur

MVM - II Bhopal

MVM - II Bhopal

अमृत कण: अत्यंत सरल समाज के समस्त प्रिय सदस्यों का आदर्श स्वास्थ्य ही समूचे ब्रह्मांड के पूर्ण स्वास्थ्य को सुनिश्चित कर सकता है। आइए, हम अभी से इस दिशा में काम करना प्रारम्भ करें।

— ब्रह्मचारी गिरीश

Events, Celebrations and Co-curricular activities organised in various Maharishi Vidya Mandir Schools

MVM Chhindwara

A joyful beginning: School reopens with enthusiasm and warm welcome

The new academic session commenced with great enthusiasm and excitement as the school reopened after the summer vacation. The campus came alive with the cheerful presence of students, teachers & staff members, marking the beginning of a fresh journey filled with new hopes, learning opportunities and achievements.

To welcome students, special morning assembly was organised in the school campus. The teachers greeted the students warmly at the entrance, creating a positive and encouraging atmosphere. A traditional 'Tilak Ceremony' was conducted to extend blessings and good wishes for a successful and fruitful academic year. Adding more joy to the occasion, colourful balloons were distributed among the students, spreading happiness and creating a festive environment.

The assembly began with Shri Guru Parampara Pujan. The Principal, Sushri Shraddha Tripathi addressed the gathering and welcomed all students with heartfelt wishes for the new academic year. The importance of regular attendance, positive thinking, moral values, discipline, and holistic development was highlighted. Students were encouraged to actively participate in school activities, utilize available opportunities, and contribute towards building a vibrant and progressive school community. The reopening celebration concluded with joyful interactions between students and teachers.

MVM-II Jabalpur

विश्व पर्यावरण दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय–2 जबलपुर में 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन बड़े उत्साह, जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य श्री नीलेश कुमार पांडेय, महर्षि विद्या मंदिर विजयनगर की प्राचार्या श्रीमती प्रियंका पांडेय एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं हरित वातावरण के महत्व पर विशेष चर्चा की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प लिया।

MVM Jammu

Free Dental Check-up Camp at MVM Jammu

Promoting Oral Health and Healthy Smiles Among Students

Sadbhavna Branch of Bharat Vikas Parishad, J&K, in collaboration with the Department of Public Dentistry, Indira Gandhi Government Dental College, Jammu (JKUT), organised a Free Dental Check-up Camp at Maharishi Vidya Mandir, Jammu.

The initiative was conducted with the objective of creating awareness among students about the importance of oral hygiene, preventive dental care and the significance of regular dental check-ups. A dedicated team of experienced doctors from Government Dental College, Jammu visited the school campus and carried out dental examinations for students from Nursery to Class XII.

These health awareness programmes play an important role in promoting a healthy lifestyle and nurturing responsible habits among young learners.

Awareness Session on Traffic Rules and Responsible Citizenship at MVM Jammu

An informative and interactive awareness session on traffic rules, regulations, violations and penalties was organised at Maharishi Vidya Mandir, Jammu under 'Police Ki Pathshala', an initiative by Amar Ujala Jammu (Newspaper).

The session aimed to educate students about the importance of following traffic rules, understanding road safety measures, and becoming responsible citizens. The programme provided students with valuable insights into traffic discipline, legal awareness and the consequences of violating rules.

MVM Mankapur

Plantation on World Environmental Day in MVM Mankapur

MVM Nadaun

Students Spread Awareness on World Anti Tobacco Day Through Creative Expressions

Maharishi Vidya Mandir School, Nadaun Kuthar observed 'World Anti Tobacco Day' with great enthusiasm for generating awareness among students. To highlight the harmful effects of tobacco consumption and promote a healthy lifestyle, the school organised a Poster Making and Speech Competition for students of Classes IX to XII.

The event provided a meaningful platform for students to express their thoughts and creativity on the theme of a tobacco-free society. Through attractive and informative posters, students showcased the dangers associated with tobacco use, including serious health issues, social challenges, and its negative impact on individuals and families.

School Principal, Shri Sushil Kumar Awasthi, appreciated the efforts of all participants and encouraged students to continue participating in such awareness programmes that promote health, responsibility, and social well-being.

Drops of Nectar - Doubts rise due to instability of consciousness. If one establishes himself in Transcendental Consciousness– Pure Being, then doubts don't emerge. These are answered before they appear. The principle of prevention works there, which is the best principle for ideal life.

- Brahmachari Girish Ji

MVM Narsingpur

A new beginning: School Reopens with Hope and Enthusiasm

A new chapter in the journey of MVM School Narsingpur began with the commencement of the new academic session, marking a significant milestone filled with hope, optimism and renewed commitment. The reopening of the school brought immense joy as the campus once again echoed with the cheerful voices of children, symbolizing a fresh beginning for the entire school community.

The successful reopening was made possible through the divine blessings of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, the inspiring guidance of Hon'ble Chairman Brahmachari Girish Ji. On the first day of the session, all previous students along with newly admitted students, attended the school.

The first day commenced with a traditional Maharishi welcome. Each child was greeted with a ceremonial Tilak and presented with a small welcome gift, creating a warm and joyful atmosphere. The students then participated in Shri Guru Parampara Pujan followed by the practice of Transcendental Meditation. To ensure that the children felt comfortable in their new environment, teachers organised a variety of enjoyable classroom activities and interactive learning sessions. The enthusiastic participation of the students made the inaugural day memorable and successful.

MVM - I Almora

World Environment Day was celebrated with great enthusiasm at Maharishi Vidya Mandir, Paparshaili, Almora on 5 June 2026 under the banner of Maharishi World Peace Movement. The program began with lighting of lamp and Shri Guru Parampara Pujan. Various interesting, educational and awareness based competitions were organised.

Principal Shri B. B. Bhatt, in his address, urged students to keep their surroundings, home and neighbourhood clean. He appealed to staff to use natural resources wisely and to avoid single use plastic.

Students also participated in tree plantation, poster and quiz competitions organised by the Forest Department and Wildlife Sanctuary.

All teachers, staff and students took a pledge not to use the single use plastic and for judicious use of natural resources.

MVM Karimganj

Inspiring Young Minds through Science on 30 May 2026

The school organised a prestigious programme featuring a Popular Talk on "Scientific Knowledge & Scientific Temperament." The event was inaugurated by Dr. Arup Kumar Mishra, Chairman of the Assam Pollution Control Board and an eminent scientist, in the august presence of Dr. Manobendra Dutta Choudhury, Vice-Chancellor of Rabindranath Tagore University, Hojai.

The programme encouraged students to develop scientific thinking and cultivate a rational outlook towards learning and innovation. An Inter-School Science Model Exhibition-cum-Competition was also organized, where young innovators showcased creative scientific models addressing real-life challenges. Students further interacted with members of the Assam Pollution Control Board during the departmental exhibition, gaining valuable insights into environmental conservation and pollution management.

The event concluded with a prize distribution ceremony honouring the outstanding performers in the science competition.

Celebrating spiritual heritage 3 June 2026

Students actively participated in the 136 Anniversary Celebration of Loknath Baba at Town Kali Bari Temple, Sribhumi. Their soulful chanting of Sanskrit shlokas created a serene and devotional atmosphere, reflecting the school's emphasis on preserving India's rich cultural and spiritual traditions. These achievements reflect the students' dedication, discipline and deep appreciation for Indian cultural heritage.

World Environment Day Celebration on 5 June 2026

To mark World Environment Day, the school organised a variety of awareness programmes promoting environmental responsibility. Students enthusiastically participated in Plantation Drive, Quiz Competition, On-the-Spot Paragraph Writing Competition and Inter-School Art Competition. These activities inspired young learners to become responsible environmental stewards and reinforced the importance of sustainable living.

MVM-II Naini, Prayagraj

On the occasion of World Environment Day, plantation drive was organised at MVM Naini-II, Prayagraj. Administrative staff of school enthusiastically participated in planting saplings to promote environmental awareness and contribute towards a greener and healthier future. The initiative aimed to encourage everyone to protect nature and maintain ecological balance.

अभिव्यक्ति

महर्षि परिवार की संकल्पना का अंग हूँ।
हे सद्गुरु, आभार की अभिव्यक्ति मैं कैसे करूँ?
माँ सरस्वती, अनुभूतियों को शब्द रूप दीजिये।
साहित्य के कुछ रंग मेरी कविता में भर दीजिये।
भावातीत ध्यान की परम्परा का अंग हूँ।
हे सद्गुरु, वर्णन, अपार महिमा का कैसे करूँ?
माँ सरस्वती, मेरी कलम में, आज वास कीजिये।
चेतना की जागृति, मेरी कविता में भर दीजिये।
अग्रदूत शान्ति का जो विश्व में अटल बना।
महर्षि विश्व शांति आन्दोलन का अंग हूँ।
अद्भुत समागम, ज्ञान और विज्ञान का संगम हुआ,
ज्ञान की वैज्ञानिक आराधना का अंग हूँ।
विश्व शांति राष्ट्र की स्थापना के संग हूँ।
हे सद्गुरु, महिमा– प्रभाव में कैसे बहूँ?
माँ सरस्वती, अज्ञानता–निदान दान दीजिये।
ज्ञान के कुछ सूत्र, मेरी कविता में रच दीजिये।
वैदिक सनातन राष्ट्र की विरासतें संजोये हैं।
महर्षि परिवार है, यह कर्मभूमि है मेरी।
गर्व अपने कर्म पर है, गर्व अपने धर्म पर,
धर्म–भूमि है मेरी, यह रंग–भूमि है मेरी।
'सांस्कृतिक–रंगमंच' की अवधारणा का अंग हूँ।
हे सद्गुरु, संस्कृति का संचार मैं कैसे करूँ?
माँ सरस्वती, मेरी कविता को माधुर्य गान दीजिये।
अन्तः करण जो झकजोर दे, वह सुर–लय–तान दीजिये।
महर्षि परिवार की संकल्पना का अंग हूँ।
हे सद्गुरु, आभार की अभिव्यक्ति मैं कैसे करूँ?

सीमा सक्सेना
भावातीत ध्यान एवं सिद्धि प्रसाशक
महर्षि विद्या मंदिर, रुद्रपुर

News Clipping

आधुनिक शिक्षण की विधियां सीखेंगे गुरुजी

कुरुक्षेत्र। महर्षि विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, [illegible] में मंगलवार से तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। यह 25 घंटे का विद्यालय स्तरीय प्रशिक्षण है। कार्यक्रम का शुभारंभ वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चंद्र वर्मा ने गुरु पूजन, दीप प्रज्वलन और सामूहिक ध्यान के साथ किया। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि रहे। विद्यालय की प्राचार्य [illegible] ने प्रशिक्षण का उद्देश्य बताया। इसका लक्ष्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों के लिए तैयार करना है। यह नई शिक्षा नीति, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा और सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। इसका उद्देश्य मूल्यपरक शिक्षा और विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। मुख्य अतिथि डॉ. नरेंद्र सिंह ने नई शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक स्वयं सीखने की प्रक्रिया से जुड़े रहेंगे तो विद्यार्थियों को भी बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन मिलेगा।

अग्निबाण

योग स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार

महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजन

जबलपुर, अग्निबाण। [illegible]

सामाजिक उत्थान में अग्रणी महर्षि संस्थान, शिक्षा और वैदिक ज्ञान के प्रसार में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

सच एक्सप्रेस

[illegible]

तीन दिवसीय सीबीएसई क्षमता संवर्धन कार्यक्रम शुरू

▸ महर्षि विद्या मंदिर में चल रहे कार्यक्रम

नवभारत, जबलपुर। सीबीएसई के दिशानिर्देशों एवं राष्ट्रीय कार्यालय भोपाल के मार्गदर्शन में, चेयरमैन ब्रह्मचारी गिरीश के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से महर्षि विद्या मंदिर-5, विजय नगर, जबलपुर में तीन दिवसीय 'इन-हाउस कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' का शुभारंभ हुआ। 11 से 13 जून 2026 तक आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'कॉम्पिटेंसी बेस्ड एजुकेशन, एनईपी 2020, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कम्प्यूटेशनल थिंकिंग व इंडियन नॉलेज सिस्टम' है। इसमें जबलपुर और नरसिंहपुर के 5 विद्यालयों के 70 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का आगाज गुरु पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि सीबीएसई रिसोर्स पर्सन वर्षा चौहान व मेंटर प्रिंसिपल निलेश कुमार पाण्डे ने किया। पहले दिन सीबीएसई सिटी कोऑर्डिनेटर व रिसोर्स पर्सन वर्षा चौहान ने 'कॉम्पिटेंसी बेस्ड एजुकेशन', 'हेल्थ एंड वेलनेस' व 'वैल्यू एजुकेशन' पर प्रशिक्षण दिया। इसमें शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों, एआई के शैक्षिक उपयोग, कम्प्यूटेशनल थिंकिंग व भारतीय ज्ञान प्रणाली का पाठ्यक्रम में उपयोग सिखाया गया। प्राचार्य प्रियंका पाण्डेय ने बताया कि यह अनिवार्य प्रशिक्षण शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षण को आनंददायक, कौशल व मूल्य आधारित और तकनीक युक्त बनाने में सहायक होगा। इस अवसर पर प्राचार्य प्रियंका पाण्डेय, प्राचार्य राजेश [illegible], अनुश्री नेमा, शालिनी भटनागर, अंजना चौधरी, अनामिका भट्टाचार्य व शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सीबीएसई, राष्ट्रीय कार्यालय भोपाल व चेयरमैन ब्रह्मचारी गिरीश का आभार माना।

महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

TheHitavada
Vidarbha Line | 2026-06-18 | Page 8
ehitavada.com

In-house training programme for teachers organised at MVM

■ District Correspondent

BHANDARA, June 17

AN IN-HOUSE training programme for teachers was successfully organised at Maharishi Vidya Mandir (MVM), Bhandara, the other day.

The programme commenced with the traditional Guru Pooja, invoking blessings for a fruitful learning experience.

The training programme was inaugurated by the Principal Shruti Ohale. She conducted the first two sessions on the topic 'National Education Policy (NEP)', enlightening teachers about its vision, objectives and implementation in schools. Her informative sessions provided valuable insights into the evolving educational landscape and emphasised the importance of experiential and holistic learning.

Following lunch break, the afternoon session was conducted by the Training In-charge, Meenakshi Kshirsagar, who guided the teachers on various aspects of effective teaching and professional development.

The programme concluded with a vote of thanks proposed by Priya Jibhkate. The training programme proved to be highly enriching and beneficial for the teaching fraternity, reaffirming the commitment of Maharishi Vidya Mandir towards continuous professional growth and excellence in education.

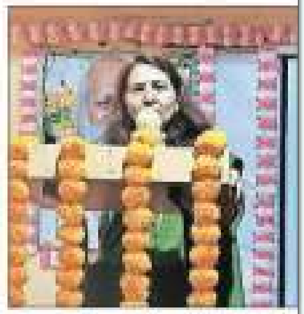

A guest addressing the event.

महर्षि अध्यात्मिक जन-जागरण अभियान के तहत हुआ संगीतमय सुंदरकांड पाठ

फतेहपुर। महर्षि विश्व शांति आंदोलन के तत्वावधान में रविवार को शांति नगर स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में महर्षि आध्यात्मिक जन–जागरण अभियान के अंतर्गत संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में लोककल्याण, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान वैज्ञानिक युग में भौतिक विकास तेजी से हो रहा है, लेकिन आध्यात्मिक मूल्यों का ह्रास भी देखने को मिल रहा है। ऐसे में श्रीरामचरितमानस का अध्ययन और पाठ व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में बताया गया कि सुंदरकांड के नियमित पाठ से भय, चिंता एवं नकारात्मकता दूर होती है तथा सेवा, समर्पण और कर्मनिष्ठा की भावना मजबूत होती है। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा परम पूज्य महर्षि जी के आदर्शों का अनुसरण करते हुए इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर आदर्श व्यापार मंडल नगर गुट के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार गर्ग, भारत विकास परिषद के जिला अध्यक्ष [illegible] राम त्रिपाठी, जिला संयोजक अजय गुप्ता, महासचिव सूर्यकांत मिश्र,

ऐच्छिक ब्यूरो की सदस्य सुनीता गर्ग तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी सहित सैकड़ों श्रद्धालु, शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया।

12th International Yoga Day observed in MVM Naini-II PDA Colony

JEEVEN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Maharishi Vidya Mandir, Naini-II, P.D.A Colony, observed the 12th International Day of Yoga on Sunday on the school premises, following the global theme "Yoga for Healthy Ageing" and the vision of Maharishi Mahesh Yogi. The program was held under the guidance of Principal Amitesh Kumar Srivastava and inspired by the direction of Chairman Brahmchari Girish Chandra Verma. The event included prayer, Common Yoga Protocol, pranayama, and meditation. In his inspirational address, the Principal Amitesh Kumar Srivastava said, "Yoga is not just a 21st June activity, it is Maharishi Ji's gift for daily life. As our Chairman Brahmchari Girish often reminds us, when the body is steady, the mind becomes sharp and the heart becomes kind.

He said that, just 10 minutes of yoga and pranayama every morning will keep one free from stress and negative thoughts. A healthy individual builds a healthy society." He emphasized practicing "Yoga at Home" regularly. The program concluded with the National Anthem and reaffirmed the school's commitment to Maharishi Ji's principle of Consciousness-Based Education, promoting yoga as a lifelong practice for self-discipline, inner balance, and social harmony.

महर्षि विद्या मंदिर में त्रिदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

दीप प्रज्वलन और गुरु पूजा के साथ शुरू हुआ सीबीएसई इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षकों को नई शिक्षा नीति का प्रशिक्षण समय की आवश्यकता

मैहर, जबलपुर एक्सप्रेस। महर्षि विद्या मंदिर मैहर में तीन दिवसीय इनहाउस टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के द्वितीय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु पूजन, भावातीत ध्यान एवं सिद्धि अभ्यास के साथ किया गया। द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण सत्र में रिसोर्स पर्सन अनिल कुमार श्रीवास्तव सतना द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने शिक्षकों को एआई की मूलभूत अवधारणाओं, शिक्षा के क्षेत्र में इसके विभिन्न उपयोगों तथा भविष्य में इसकी बढ़ती भूमिका के बारे में जानकारी दी। साथ ही कम्प्यूटेशनल थिंकिंग के माध्यम से समस्या समाधान, तार्किक चिंतन एवं रचनात्मक सोच विकसित करने के प्रभावी तरीकों पर चर्चा की। प्रतिभागी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण को अत्यंत लाभ दायक बताया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति एवं आधुनिक तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप शिक्षकों का सतत प्रशिक्षण समय की आवश्यकता है।

जबलपुर / शुक्रवार 12

महर्षि विद्या मंदिर-5 में तीन दिवसीय सीबीएसई इन-हाउस क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का शुभारंभ

गुरु पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का आगाज, 5 विद्यालयों के 70 से भी ज्यादा शिक्षक ले रहे प्रशिक्षण

City भास्कर

शिक्षकों को एआई और आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण

तीन दिवसीय इन-हाउस टीचर ट्रेनिंग का समापन

[illegible]

[illegible]

महर्षि विद्या मंदिर में बड़े मंगल पर गूंजा सुंदरकांड पाठ

आध्यात्मिक वातावरण में श्रद्धालुओं ने लिया भाग

महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान के तहत हुआ आयोजन, प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न

[illegible]

महर्षि विद्या मंदिर के ध्यान कक्ष में बच्चों ने लगाई समाधि

नादौन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय में योग कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के योग एवं ध्यान कक्ष में किया गया। जहां विद्यार्थियों ने योग शिक्षकों तथा खेल शिक्षकों के निर्देशन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम, शारीरिक व्यायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। प्रधानाचार्य सुशील अवस्थी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

महर्षि विद्या मन्दिर में हुआ बारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

[illegible]

[illegible]

Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 205 edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people’s representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail cpr@mssmail.org as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyaan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2026 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
*All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of **Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
***Maharishi Ved Vigyan Prakashan,** Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, **Phone:** +91 755 4087351*